RPF SI रेल रक्षक बैच

History

वैदिक सभ्यता के तथ्य
facts of Vedic Civilization

⇒ हिन्दू धर्म में सोम देव को पौधों के स्वामी, रोगों के उपचारक और धन के दाता

⇒ वैशेषिक हिन्दू धर्म की प्रमुख दार्शनिक विचारधारा है।

⇒ वैदिक ग्रंथो के अनुसार सगृहिती का अर्थ कोषाध्यक्ष खचांजी था।

⇒ पुरुषार्थ की संख्या → 4 → ① धर्म ② अर्थ ③ काम ④ मोक्ष

⇒ हिन्दू धर्म में

ब्रह्मा → सृजकर्ता

विष्णु → संचालनकर्ता

शिव → सृष्टि विनाशक

⇒ मुण्डकोपनिषद् अथर्ववेद की "शौनकीय शाखा" का उपनिषद् है।

⇒ यजुर्वेद में यजुर का का अर्थ – बलिदान

⇒ सबसे पुराना उपनिषद् छांदोग्य उपनिषद्।

⇒ वसुधैव कुटुम्बकम शब्द का अर्थ उल्लेख महाउपनिषद् में है।

⇒ प्रत्येक वस्तु 5 मूल तत्वों से –
① आकाश ② वायु ③ अग्नि ④ जल ↓5 तथा ⑤ ↓5 पृथ्वी से बनी है।

⇒ कौशाम्बी नगर में प्रथम पक्की ईंटों का प्रयोग किया गया।–

⇒ उत्तर वैदिकाल में वर्ण जन्म के आधार पर निर्धारित होने लगा। → Imp

⇒ गोत्र नामक संस्था का जन्म इसी काल में हुआ।

महाजनपद काल

600-400 BC Mahajanpad Period

महाजनपद - 16

अंगुत्तर निकाय → बौद्ध ग्रंथ

भगवती सूत्र → जैन ग्रंथ

सिंधु सभ्यता

वैदिक सभ्यता

महाजनपद काल - 600 ईसा पूर्व - 400 BC

Mahajanapada period - 600 BC - 400 BC

(6 वीं शताब्दी - चौथी शताब्दी)

→ महाजनपदो के बारे में ग्रंथो से जानकारी मिलती है।

Information about Mahajanpado is auilable from some texts.

- अंगुत्तर निकाय - बौद्ध धर्म - 16 महाजनपद
  Anguttar Nikaya - Buddhism - 16 Mahajanapadas
- भगवती सूत्र - जैन धर्म - 16 महाजनपद
  Bhagwati Sutra - Jainism - 16 Mahajanapadas
- अष्टाध्यायी - 22 महाजनपद
  लेखक = पाणिनी

22 - महाजनपद → अष्टाध्यायी

22 Mahajanapadas - Ashtaadhyaayee

22 Mahajanapadas – Ashtadhyayi

16 महाजनपद – 14

Mahajanapada – 14 (राजतंत्र)
Monarchy

2 (गणतंत्र) – 1. वज्जि – दुनिया का सबसे पहला

2. (Republic) – 1. Vajji – the world's first republic
   - वाज्जी
   - मल्ल
2. मल्ल Mall

गणतंत्र का अर्थ
Meaning of Republic
↓
राष्ट्राध्यक्ष (Head of Nation)
राजा का पद निर्वाचित (elected) होता है।

(भारत का पहला गणतंत्र (Republic) लिच्छवियों ने वैशाली Jmp में स्थापित किया)

महाजनपद
Mahajanapada

मगध → Jmp
Magadha
सबसे शक्तिशाली
(Most powerful)

राजधानी
Capital

राजगृह / गिरिव्रज / पाटलिपुत्र
Rajgriha / Girivraj / Patali Putra

rojgar with ankit

अंग
Gmp Ang

चम्पा (मालिनी नदी)
Champa (Malini River)

कोशल (सरयू)
Kosala (Saryu)

साकेत / श्रावस्ती
Saket / Shravasti

अवन्ति
Gmp Avanti

North — उज्जैन, महिष्मती
Ujjain, Mahishmati
(west)

गांधार
Gandhara

तक्षशिला
Taxila

काशी
Kashi

वाराणसी (राजा अश्वसेन के पुत्र 23वें तीर्थंकर) — पार्श्वनाथ
Varanasi (23rd Tirthankara, Son of king

पांचाल
Panchala

North — अहिच्छत्र, कापिल्य (west)
Ahichchhatra, Kapilya

वज्जि
Vajji

वैशाली (आम्रपाली का सम्बंध)
Vaishali (Affiliation of Amrapali)

कम्बोज
Kamboj

हाटक (राजापुर) - घोड़ें के लिए प्रसिद्ध
Hatak (Rajapur) Famous for Horses

अश्मक
Ashmak

rojgar with ankit

Imp मल्ल Mall	प्रतिष्ठान (पैठन) Pratishthan (Paithan) / कुशीनगर Kushinagar
Imp शूरसेन Surasen	मथुरा Mathura
Imp मत्स्य Matsya	विराटनगर Virat nagar
कुरू Kuru	इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली) Indraprastha
वत्स Vats	कौशाम्बी Koshamb
चेदी सम्बंध Chedi Kharavela)	शक्तिमती (कलिंग शासक खारवेल का Shaktimati (Affiliation of Kalinga ruler

नोट: दो महाजनपद ऐसे थे जो वर्तमान भारत की सीमा से बाहर है - कम्बोज गंधार 16 महाजनपदों में से 8 महाजनपद उत्तर प्रदेश में पडते हैं। 16 महाजनपदों में सर्वाधिक शक्तिशाली मगध महाजनपद था। (16) - 8 (U.P)

सबसे पूर्वी महाजनपद अंग

Note: There were two Mahajanapadas which are outside the border of present India - Kamboj, Gandhar
8 out of 16 Mahajanapadas fall in Uttar Pradesh. Magadha Mahajanapada was the most Powerful of the 16 Mahajanapadas. Eastern Mahajanapada Anga.

बौद्ध धर्म Buddhism

→ संस्थापक - गौतम बुद्ध
Founder - Gautam Buddha

→ अन्य नाम- तथागत, शाक्य मुनि, शाक्य सिंह (The light of Asia)
Other names - Tathagata, Shakya Muni, Shakya Singh

जन्म - 563 ईसा पूर्व - लुम्बिनी
Born - 563 BC - Lumbini

मृत्यु - 483 ईसा पूर्व - कुशीनगर
Death - 483 BC - Kushinagar

बचपन - सिद्धार्थ
Childhood - Siddhartha

पिता - शुद्धोधन (शाक्य गणराज्य)
Father Shuddhodana (Shakya Republic)

माता- महामाया (माया देवी - कोलीय गणराज्य)
Mother- Mahamaya (Republic of maya devi - kaliya)

(आम्रवन) - में सिद्धार्थ का जन्म हुआ
Siddhartha was born in (Amravana)

⇒ सिद्धार्थ के जन्म के 7 वें दिन बाद इनकी माता का देहांत हो गया तब इनका पालन पोषण इनकी मौसी - प्रजापति गौतमी ने किया।
His mother died on the 7th day after the birth of Siddhartha, then he was brought up by his aunt - Prajapati Gautami.

⇒ पत्नी : यशोधरा (शादी 16 वर्ष की अवस्था में हुआ)
Wife : Yashodhara (Married at the age of 16)

12 वर्ष बाद : पुत्र पैदा हुआ- राहुल
After 12 years : Son was born - Rahul

⇒ 29 वर्ष की अवस्था में घर छोड़ (महाभिनिष्क्रमण) दिया
Left home (Mahabhinishkran) at the age of 29

⇒ 4 दृश्य जिनके कारण सिद्धार्थ सन्यासी बनने के तरफ बढ गए -
4 Scenes that led Siddhartha to become a Sanyasi -

1. बूढा व्यक्ति old man
2. बीमार व्यक्ति Sick person
3. मृत व्यक्ति की शय्या Shadow of the dead person
4. संन्यासी Saints

⇒ 35 वर्ष की अवस्था में ज्ञान प्राप्त (सम्बोधि) हुआ
Enlightened (Sambodhi) at the age of 35

- पीपल वृक्ष Peepal tree
- उरूवेला, बोधगया, बिहार Uruvela, Bodh Gaya Bihar.
- निरंजना नदी nirjana river
- वैशाख पूर्णिमा Vaishakh Purnima

⇒ पहला उपदेश - सारनाथ (ऋषिपत्तनम)
First Sermon - Sarnath (Rishipatnam)
धर्मचक्र प्रवर्तन - 5 ब्राह्मण
Turning the wheel of Dharma - 5 Brahmins

- कौंडिन्य Kaudinya
- वप्पा Wappa
- भोंदिया Bhodiya
- मघनामा Maghnama
- अस्त asta

⇒ वाराणसी में यसक्षेष्ठी को ज्ञान दिया।

Gave knowledge to Yagyashrushthi in Varanasi

⇒ वाराणसी में ही बौद्ध भिक्षु संघ बनाया।
The Buddhist monks' union was formed in Varanasi itself

⇒ वाराणसी के बाद वैशाली गए, और वहीं बौद्ध भिक्षुणी संघ बनाया (आनंद के कहने पर)
After Varanasi, went to Vaishali, and formed a Buddhist nunnery there (at the behest of Anand)

⇒ इस संघ में सबसे पहले प्रजापति गौतमी फिर आम्रपाली जुड़ी।
First Prajapati Gautami then Amrapali joined this union.

⇒ सबसे अधिक उपदेश एवं सबसे अधिक अनुयायी- श्रावस्ती में थे।
Most preachers and most followers were in Shravasti

⇒ इन्होंने अंतिम उपदेश – कुशीनगर में (सुभद्र को) दिया
He gave the last sermon – in Kushinagar (to Subhadra).

⇒ सर्वाधिक उपदेश पालि भाषा में
Most Sermons in Pali language

⇒ सर्वाधिक वर्षावास बिताए – श्रावस्ती में।
Spent maximum rain - in Sravasti.

⇒ अंतिम वर्षावास – कुशीनगर
Last Varshawas – kushinagar

शिक्षाएं – Teachings ⟶ आर्य सत्य – 4

① दुःख है Grief
② दुःख का कारण है Cause of Sorrow
③ दुःख का निराकरण है Sorrow is the Solution
④ दुःख का निवारण अष्टांगिक मार्ग से किया जाता है।
Redressal of Sorrow is done through the eightfold Path

आष्टांगिक मार्ग – 8 Octagonal route

① सम्यक दृष्टि (4 आर्य सत्य में विश्वास)
Right View (belief in the 4 Noble Truths)
② सम्यक संकल्प Right Resolution
③ सम्यक वाणी Right Speech
④ सम्यक कर्म Right action

⑤ सम्यक आजीविका Right Livelihood

⑥ सम्यक व्यायाम Right Exercise

⑦ सम्यक स्मृति Right Memory

⑧ सम्यक समाधि Right Samadhi

प्रतीक चिह्न : Symbol

- जन्म : कमल + सांड Birth: Kamal + bull
  - सांड — यौवन का प्रतीक
- गृह त्याग : घोड़ा Home abandonment: horse
- गर्भ : हाथी Womb: elephant
- ज्ञान : पीपल Knowledge: People
- मृत्यु : पद चिह्न Death: Footprint
  - पद चिह्न — मोक्ष, निर्वाण
- बौद्ध धर्म में शील – 10 Modesty in Buddhism – 10
- बौद्ध साहित्य Buddhist literature
- बौद्ध साहित्य को त्रिपिटक में बताया गया है। Buddhist literature is mentioned in Tripitaka

① विनय पिटक : उपालि शिष्य – बौद्ध संघ के नियम
Vinaya Pitaka: Upali Disciple Rule of the Buddhist Sangha

② सुत्त पिटक : आनंद शिष्य - गौतम बुद्ध के उपदेश
Sutta Pitaka : Anando Disciple Teachings of Gautam Buddha

③ अभिधम्म पिटक : मोगली शिष्य
Abhidhamma Pitaka : Disciples of Mowgli

सुत्त पिटक - गाय - (अन्नदा, वन्नदा, सुखदा)
Sutta Pitaka - Cow - (Annada, Vannada, Sukhada)

Encyclopedia of Bodhdha Dharma

सुत्त पिटक 5 भागों में विभाजित है-
The Sutta Pitaka is divided into 5 parts

① खुंदक निकाय - (जातक कथाए - संख्या : 549)- बुद्ध के जन्म से पूर्व
Khundak Nikaya - (Jataka tales - Number : 549)- before the birth of Buddha

② अंगुत्तर निकाय - 16 महाजनपद
Anguttar Nikaya - 16 Mahajanapadas

③ दीघ निकाय Deegh body

④ मंझिम निकाय Manjhim body

⑤ संयुक्त निकाय Sanyukt body

त्रिरत्न : बौद्ध धम्म, संघ

Three Jewels: Buddhism, Dhamma, Sangha

बौद्ध संगीति Buddhist council

	स्थान Place	शासनकाल Reign	अध्यक्ष President
1. 483	राजगृह Rajgriha	अजातशत्रु Ajatashatru	महाकश्यप Mahakashyap
2. 383	वैशाली Vaishali	कालाशोक Kalashok	साबकमीर Sabakmir
3. 255	पाटलिपुत्र Pataliputra	अशोक Ashok	मोग्गली पुत्र Mowgli Putra
4. पहली शताब्दी 1st Century	कुण्डलवन Kundalavan	कनिष्क Kanishka	वसुमित्र Vasumitra (उपाध्यक्ष- अश्वघोष (Vice-President- Asvaghosha)
5. 1871	माण्डले (म्यांमार) → राजा मिण्डन		

चौथी बौद्ध संगीति : Fourth Buddhist Council :

1. महायान : वसुमित्र - बुद्ध को ईश्वर समझते है।
Mahayana : Vasumitra - Considers Buddha as God

नए नियम बनाए Make new rules

चीन, जापान, कोरिया, भूटान, सिंगापुर
China, Japan, Korea, Bhutan, Singapore

2 हीनयान : महाकश्यप
Hinayana : Mahakashyapa

- अष्टांगिक मार्ग Eightfold Path
- परिवर्तन Change
- वैभाषिक Vaibhashik
- सर्वास्तिववादी Totalitarian

बुद्ध को महापुरुष
Buddha the legend

महात्मा बुद्ध के गुरु - आलार कलाम (सांख्य दर्शन) कपिल मुनि
Guru of Mahatma Buddha - Alar Kalam (Samkhya Philosophy)

रुद्रक राम पुत्रम (योग दर्शन)
Rudrak Rama Putram (yoga Philosophy)

बृहस्पति (वैदिक दर्शन)
Jupiter (Vedic Philosophy)

बौद्ध मठ : Buddhist Monastery:

- लद्दाख - हेमिस, थिकसे Ladakh - Hemis, Thiksey
- सिक्किम - रुमटेक, लिंगडम, Sikkim - Rumtek, Lingdam,
- हिमाचल प्रदेश - ताबो, शशूर, मैक्लोडगंज (धर्मशाला), की गोम्पा, नाको

Himachal Pradesh - Tabo, Shashur, McLeodganj (Dharamsala), Key gompa, Nako

- अरुणाचल प्रदेश - तवांग मठ (सबसे बड़ा मठ)
  Arunachal Pradesh - Tawang Monastery (largest Monastery)
- कर्नाटक - वेलकुप्प मठ
  Karnataka - Velakuppe Monastery
- पश्चिम बंगाल - धूम
  West Bangal - Ghum

पुस्तकें : Books

→ बौद्ध चरित्र, सौंदरानंद ब्रजसूची - अश्वघोष (भारत का वाल्टेयर / भारत के हेट)

Buddhist character, Sondrananda Brajasechiti Ashvaghosha (Voltaire of India / Hete of India

विभाषा शास्त्र - वसुमित्र
Biology - Vasumitra

⇒ पहली मानव प्रतिमा पूजी गयी - बुद्ध की (गांधार शैली) First human statue Center - Taxila, Vallabhi, Vikramshila, Nalanda University

बौद्ध मान्यताएं -
Buddhist beliefs -

- आत्मा Soul ×
- कर्मकांड ritual ×
- वर्ण व्यवस्था Varna System ∝
- पुनर्जन्म Rebirth ✓
- मध्य मार्ग Madhyam Marg

* जैन धर्म Jain Dharm *

⇒ 24 तीर्थंकरो के बारे में "कल्पसूत्र" पुस्तक में लिखा है: भद्रबाहू ने।
It is written in the book "Kalpasutra" about 24 Tirthankaras: Bhadrabahu.

⇒ जैन धर्म सिन्धु घाटी सभ्यता के समकालीन था।
Jainism was Contemporary To the Indus Valley Civilization.

पहले तीर्थंकर: ऋषभदेव (अहिंसा + अपरिग्रह)
First Tirthankara: Rishabhdev (Ahimsa + Aparigraha

- प्रतीक चिह्न: सांड Symbol: Bull
- उपनाम: केशरिया देव / आदिनाथ (ऋग्वेद में वर्णन मिलता है।) Surname: Keshariya Dev/Adinath (Description is found in Rigveda.)
- दो पुत्र Two Sons
  - भरत Bharat
  - महाबली / बाहुबली Mahabali/Bahubali
    - मूर्ति - Shravanavelgala (Karnataka)
      - चामुण्डाराय ने बनवाया Chamundaraya built

⇒ दूसरे तीर्थंकर : अजित नाथ (हाथी)
Second Tirthankar : Ajit Nath (Elephant)

⇒ तीसरे तीर्थंकर : सम्भव नाथ (घोड़ा)
Third Tirthankar : Sambhav Nath (Horse)

⇒ 21 वें तीर्थंकर : नमिनाथ (नीलकमल)
21st Tirthankar : Naminath (Nilkamal)

⇒ 22 वें तीर्थंकर : अरिष्टीनेमि (नेमिनाथ) – (शंख)
22nd Tirthankar : Arishtinebhi (Neminath)- (conch)

⇒ 23 वें तीर्थंकर : पार्श्वनाथ (निर्ग्रंथ) कहा गया (सांप)
23 nd Tirthankar : Called Parshvanath (Nirgratha). (Snake)

शिक्षाएं दी (4) Teaches 4:

(1.) सत्य Truth
(2.) अहिंसा Non-Violence
(3.) अस्तेय (चोरी न करना)
Asteya (Not to steal)
(4.) अपरिग्रह (धन न संचय करना)
Aparigraha (Non-Accumulation of Wealth)

⇒ 24 वें तीर्थंकर : महावीर स्वामी (वास्तविक संस्थापक)

24nd Tirthankara : Mahaveer Swami (The real Founder)

- 5 वीं शिक्षा Education : ब्रह्मचर्य Celibacy
- प्रतीक : शेर / सिंह Sign : Lion / Lion
- जन्म : 540 BC = कुण्डग्राम (वैशाली)
  Birth : 540 BC = kundagram (Vaishali)
- मृत्यु : 468 BC = पावापुरी (दीपावली के दिन)
  Died : 468 BC = Pavapuri (Day of Dupawali)
- पिता : सिद्धार्थ : ज्ञातृक वंश / इक्ष्वाकु वंश
  Father : Siddhartha : Gyaesak line / Ichchhavaku lineage
- माता : त्रिशला : लिच्छवी (चेटक की बहन)
  Mother : Trishala : Lichchavi (Sister of chetak
- बचपन का नाम : वर्धमान Childhood Name: Vardhman
- पत्नी : यशोदा wife : Yashoda
- पुत्री : अनोज्जा प्रियदर्शनी
  Daughter : Anoja Priyadarshini

⇒ दामाद : जमालि : (पहला उपदेश इन्हे ही मिला) = अर्द्धमागधी भाषा

Son-In-Law: Jamali: (He Received the first Sermon) = Semi-Magadhi Language

⇒ भाषा : बाद में "प्राकृत" Language: Later "Prakrit"

⇒ 30 वर्ष की अवस्था में अपने भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर गृह त्याग किया

At the Age of 30, After Taking Permission from His Brother Nandivardhan, He Renounced His home.

⇒ पहले 6 वर्ष अपने मित्र मक्खलि गोशाल के साथ रहें।

Stay with your friend Makkhali Goshal for the first 6 years.

आजीवक सम्प्रदाय के प्रतिपादक

The founder of the Ajivika Sect

⇒ 12 वर्ष तप किया Did Penance for 12 years

↓

पहला वर्ष First year — अंतिम 11 वर्ष 6·5 माह Last 11 years 6·5 Months

अशोक वृक्ष Ashoka Tree साल वृक्ष Sal Tree

↓

स्वर्ण बालूका नदी ऋजुपालिका नदी
Golden Sand River Rijupalika River

ज्ञान की प्राप्ति हुई। Knowledge Gained.
→ (शिशिक / जाम्भिक ग्राम) में।
Hesitating / Jrambhik Village).
→ ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी केवलिन, जिन, निर्ग्रन्थ कहलाए।
After Attaining knowledge. Mahavir Swami was called Kevalin. Jin. Nirgrantha.

पहला उपदेश : राजगृह (अर्द्धमागधीभाषा)
First Sermon: Rajagriha (Semi-Magadhi language

⇒ केवलिन: आत्मा व शरीर के बीच Kevalin: Between Self And Body

जिन: खुद की इच्छाओं पर विजय
Jin: Victory Over One's Desires

निर्ग्रंथ : सांसारिक बंधन से मुक्त Nirgranth: free from cognitive bondage

⇒ ज्ञान प्राप्ति = वैशाख दशमी Gaining knowledge = Vaishakh Dashami

⇒ जैन धर्म के त्रिरत्न The Three Jewels of Jainism
- ① सम्यक दर्शन Right Darshan
- ② सम्यक ज्ञान Right knowledge
- ③ सम्यक आचरण Fair Conduct

जैन समितियां Jain Committees / Conference

1. 300 BC - पाटलिपुत्र - स्थूलभद्र
   300 BC - Pataliputra - Sthulbhatra
2. 512 AD - वल्लभी (Guj) - देवर्धि क्षमाक्षवण (अध्यक्ष)
   512 AD - Vallabhi - (Guj) - Devardhi Apology

जैन धर्म में कषाय : Kashaya in Jainism:

- क्रोध Anger
- माया Spell
- मान Value

⇒ जैन साहित्य को "आगम" कहा जाता है।
Jain Literature is Called "Agam"

- पूर्व East
- उपाग appendage
- छेदसूत्र hale thread

आगम की संख्या - 12
उपांग - 12
छंद सूत्र - 6

जैन धर्म की शाखाएं -
Branches of Jainism

श्वेताम्बर	दिगम्बर
Svetambara	Digambara
(स्थूलभद्र)	(भद्रबाहु)
(Sthulabhadra)	(Bhadrabahu)
सफेद वस्त्र	नग्न
White Clothes	Naked
उत्तर भारत में ही रहे	जो द० भारत चले गए
Only in North India	Went to South India

* दक्षिण भारत में श्वेताम्बर शाखा का प्रचार किया
Promoted Svetambara branch in South India
सुहस्तिन Suhastin

⇒ जैन संघ Jain Sangha में 11 गणधर थे
There were 11 Ganadhar

- महावीर स्वामी की मृत्यु के समय अध्यक्ष : इन्द्रभूति
  Chairman at the time of death of Mahavir Swami Indrabhuti
- अगले अध्यक्ष : "सुधर्मन" Next President: "Sudharm"
- जैन भिक्षुणी संघ की अध्यक्ष : "चंदना"
  President of Jain Nhikuni Sangh: "Chandana"

⇒ जैन सिद्धांत Jain Doctrine :- (ज्ञान मीमांसा Epistemology)

अनेकांतवाद (Anekantavad)	स्याद्वाद (Sayavada)
प्रत्येक जीव / वस्तु के अनेक गुण होते है। Every living being / thing	अनेक गुणो को केवलिन ही जान सकते है Only kevalin can know

has many qualities many Qualities

नास्तिक
(Atheist)
जो वेदो को अप्रमाणिक मानते है
Those who Consider Vedas to be unauthentic.

आस्तिक
(Atheist)
जो वेदो को प्रमाणिक माने।

" आजीविक सम्प्रदाय " Ajivik Sect "

षडदर्शन Conspiracy :- 1. गौतम : न्याय दर्शन -
Gautama : Philosophy of Justice

2. कपिल : साख्य दर्शन Kapil Samkhya Philosophy

3. कणाद : वैशेषिक Kanad: Vaisheshika

4. पंतजलि : योग Patanjali : Yoga

5. जैमिनी : पूर्वी मीमांसा
Gemini : Purva Mimamsa

6. वादरायण : उत्तर मीमांसा
Vadarayana : uttar Mimamsa

बौद्ध धर्म Buddhism

हर्ष - हर्षवर्धन Harsh - Harshavardhana

K- कनिष्क Kanishka

B- बिम्बिसार Bimbisara

A- अशोक Ashoka

P - प्रसेनजीत (Prasenjit)

U - उदयन - Udayan

G - गोपाल (पाल वंश)
Gopal (Pala dynasty

जैन धर्म Jainism

K - खारवेल
Kharavel

A - अजातशत्रु
Ajatshatru

A - अमोघवर्ष
Amodhavarsha

C. चन्द्रगुप्त मौर्य
Chandragupta Maurya

U - उदयन Udayan

S - सम्प्रीति Sampreeti